विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 16, वर्ष 6, अंक 72 माह - दिसंबर, 2024, मूल्य : नि:शुल्क

निताई प्ले स्कूल ग्राम मनेसिया के बच्चों ने मंगलगिरी का भ्रमण किया

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक अध्यक्ष

सुनीता अरिहंत
कार्यकारी अध्यक्ष

सौरभ संधेलिया
अध्यक्ष

आकांक्षा मलैया
सचिव

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

रानेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयांश जैन
मार्गदर्शक

अनिल अवस्थी
मार्गदर्शक

शफीक खान
मार्गदर्शक

अर्चना संधेलिया
मार्गदर्शक

अंशुल भार्गव
मार्गदर्शक

गुलझारी लाल जैन
मार्गदर्शक

विचार-विमर्श

विशेष अनुबंध पर विचार मासिक पत्रिका में - यह लेख राकेश स्वामी और रजिका सेठ ने लिखा जो आईडीआर हिन्दी पर प्रकाशित किया गया है।

आखिर जमीनी संस्थाएं अपने काम को विस्तार क्यों नहीं दे पा रही हैं?

कमोबेश हर जमीनी संस्था अपने सामाजिक प्रभाव को व्यापक बनाने की आकांक्षा रखती है ताकि उनकी सेवाएं और प्रयास, अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सकें। विस्तार की इस प्रक्रिया से न केवल वे अपने दायरे को बढ़ा सकते हैं बल्कि इससे उनकी सामाजिक पहचान भी मजबूत होती है। हालांकि यह यात्रा उतनी सरल नहीं होती जितनी दिखती है। नवाचार संस्थान, चित्तौड़गढ़ और कोटड़ा आदिवासी संस्थान, उदयपुर जैसी जमीनी संस्थाओं के साथ बातचीत से पता चलता है कि इसमें कई तरह की बाधाएं है। पहचान बनाने और बड़े स्तर पर जाने में संस्थाएं कहां अटकती हैं बढ़ती ज़िम्मेदारियों और बढ़ते काम के बोझ के साथ संस्थाओं के सामने कई तरह की चुनौतियां आती हैं। इसमें प्रभावी प्रबंधन, वित्त, प्राथमिकताएं, नए अवसरों की पहचान, रणनीतिक दृष्टिकोण प्रमुख रूप से शामिल हैं।

- **सामुदायिक गतिविधियों तक सीमित आर्थिक संसाधन -**

जमीनी संस्थाओं के लिए स्थायी और नियमित वित्तीय स्रोत जुटाना हमेशा एक कठिन काम रहा है। नवाचार संस्था के अरुण कहते हैं, हमारे पास ज्यादातर फंड अन्य संस्थाओं से होकर आते हैं। ऐसे में पहले से ही निर्धारित होता है कि इस धनराशि का उपयोग केवल सामुदायिक गतिविधियों के लिए ही किया जा सकता है। ऐसे में संस्था को बढ़ाने, कार्यकर्ताओं के क्षमता-विकास और अन्य जरूरी पहलुओं के लिए फंड की समस्या बनी रहती है।

- **संस्था की दीर्घकालिक प्राथमिकताएं -**

कोटड़ा आदिवासी संस्थान के निदेशक सरफ़राज का मानना है कि संस्था का छोटा होना कोई बुरी बात नहीं है। अन्ना हजारे ने रालेगण सिद्धि जैसे छोटे से गांव में काम किया लेकिन आज वह पूरे भारत के लिए एक मॉडल ग्राम बन चुका है। ऐसे और भी मॉडल ग्राम बनने चाहिए। आज कई समाजसेवी संस्थाओं में दीर्घकालिक दृष्टिकोण और स्पष्ट मिशन की कमी दिखती है जो उनके विकास और विस्तार में बाधा बनती है। समाज में स्थायी प्रभाव लाना एक लंबी प्रक्रिया है।

- **मौजूदा मानव संसाधनों के उपयोग में चुनौतियां -**

कई एनजीओ बदलती चुनौतियों के अनुरूप खुद को ढालने में असफल रहते हैं, जिससे उनकी कार्यक्षमता प्रभावित होती है। जमीनी संस्थाएं अभी भी अपने कार्यकर्ताओं की क्षमताओं का विश्लेषण करने, उन्हें उपयुक्त कार्य-क्षेत्रों में लगाने और उनकी चुनौतियों को समझने पर कम ध्यान देती हैं। बिना उचित कौशल और क्षमताओं के कार्यों का बंटवारा करने से अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाते हैं।

- **पेशेवरों की कमी -**

तेजी से बढ़ती तकनीक ने जमीनी संस्थानों की आवश्यकताओं को भी बदल दिया है। अरुण कहते हैं

"आजकल हर संस्था के पास वेबसाइट होना अनिवार्य हो गया है और समुदाय से जुड़ाव के लिए सोशल मीडिया भी ज़रूरी हो गया है।" वे आगे जोड़ते हैं कि "लेकिन तकनीकी रूप से सक्षम प्रोफेशनल्स कम वेतन पर और छोटे इलाकों में लंबे समय तक काम करने के इच्छुक नहीं होते। यह भी देखा गया है कि प्रबंधन, फंडिंग प्रपोजल, डेटा विश्लेषण, प्रोजेक्ट रिपोर्ट आदि में तकनीक का योगदान पिछले कुछ वर्षों में बहुत तेजी से बढ़ा है। ऐसे में, कम तकनीकी कौशल वाली संस्थाएं अपने लक्ष्यों को बड़े स्तर पर ले जाने में विफल हो जाती हैं।

- **क्षमता निर्माण के कमजोर तरीके -**

संस्थाओं को अपने कार्य को बढ़ाने के लिए बेहतर रणनीतिक योजना, निगरानी, और मूल्यांकन जैसे तरीकों की आवश्यकता होती है। इसके लिए कर्मचारियों की क्षमता को लगातार बढ़ाना ज़रूरी है।

- **सरकारी नीतियां -**

जटिल सरकारी नीतियां और अनुपालन आवश्यकताएं भी बाधा बनती हैं। कई बार समाजसेवी संस्थाओं पर कठोर सरकारी नियम और प्रतिबंध होते हैं जिससे उनके लिए अपने काम को बढ़ाना मुश्किल हो जाता है। बड़े स्तर पर काम करने के कुछ तरीक़े जो ज़मीनी संस्थाओं के लिए मददगार हो सकते हैं भले ही जमीनी संस्थानों के पास अपनी कई चुनौतियां हैं लेकिन इनकी बेहतर समझ समाधान अथवा विकल्प तलाशने में भी मदद करती है।

- **वित्तीय संसाधनों की विविधता -**

संस्थाओं को आगे बढ़ने के लिए वित्तीय विविधता को बढ़ावा देते हुए धन जुटाना आवश्यक है। इसमें वे व्यक्तिगत दान, कॉर्पोरेट साझेदारी और सरकारी अनुदान जैसे कई तरह के आर्थिक सहयोग को शामिल कर सकती हैं।

- **दूसरे दर्जे का नेतृत्व विकसित करना -**

इस पर आई-पार्टनर संस्था में लीडरशिप भूमिका में कार्यरत निशा कहती हैं, "संस्थाओं का किसी एक कुशल नेतृत्व से आगे बढ़ पाना मुश्किल है, इसके लिए और लोग चाहिए होंगे। हमारी संस्था ने अगली पीढ़ी की लीडरशिप को हाल ही में तैयार किया है। हालांकि यह थोड़ी लंबी प्रक्रिया है, इसके लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करना होगा। साथ ही, इस प्रक्रिया में बहुत भरोसे और सहनशीलता की आवश्यकता है।

- **तकनीक और नेटवर्किंग -**

जमीनी संस्थाओं को यह समझना होगा कि अपने कार्य को बढ़ाने के लिए बेहतर संचार प्राथमिक कड़ी है। इसके लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग शुरू करना चाहिए। अब सोशल मीडिया और अन्य नेटवर्कों का उपयोग केवल समुदाय तक आपके कार्य को पहुंचाने या जागरूक करने तक सीमित नहीं रह गया है। ये दानदाताओं को आकर्षित करने, सोशल सेक्टर से जुड़े ग्रुप, चैनल, और अन्य संस्थाओं से नेटवर्किंग करने, आपकी तात्कालिक विषयों और आवश्यक अवसरों के बारे में जागरूक रखने का अवसर प्रदान करते हैं।

- **सरकारी नीतियों की समझ -**

एनजीओ को सरकारी नीतियों और कानूनी ढांचे की अच्छी समझ होनी चाहिए ताकि वे इन नियमों का पालन कर सकें और अपने कार्यों को बिना किसी बाधा के पूरा कर सकें। इसके लिए वे पेशेवरों या नेटवर्क से मदद ले सकते हैं, जो उन्हें इन नीतियों की समझ में मदद करेंगे।

आदर्श मोहल्ला बनाने के लिए पूंजी ही जरूरी नहीं है, सहयोग और मार्गदर्शन से भी बड़ा बदलाव आएगा : कपिल मलैया

आदर्श मोहल्ला बनाने के लिए विचार समिति पदाधिकारियों की बैठक हुई।

विचार समिति द्वारा संचालित मोहल्ला विकास योजना के अंतर्गत चिन्हित टीमों को आदर्श मोहल्ला बनाने के लिए समिति पदाधिकारियों की बैठक समिति कार्यालय में हुई। मोहल्ला विकास योजना में 125 टीमें 12500 परिवार समिति के साथ कार्यरत हैं। इन परिवारों को सामाजिक दायित्व, जिम्मेदारी, परस्पर सहयोग, जागरूक, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, नशा मुक्ति, प्राकृतिक खेती, पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के साथ स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाना है।

विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बैठक में कहा कि आदर्श मोहल्ला बनाने के लिए पूंजी की आवश्यकता नहीं है। सहयोग, मार्गदर्शन से ही बड़ा बदलाव आयेगा। उन्होंने कहा कि आदर्श मोहल्ला बनाने के लिए आदर्श घर का होना जरूरी है।

जिसमें घर एवं घर के सामने की सफाई, घर में दो डस्टबिन होना चहिये (एक गीला कचड़ा के लिए एक सूखा कचड़ा के लिए), एंजाइम बनना एवं उसका उपयोग होना चाहिये, जैविक खाद बननी चाहिए एवं उसका उपयोग होना चाहिये। इसके साथ ही पदाधिकारियों के लिए मोहल्ले में कम से कम हफ्ते में एक दिन जाकर समय बिताना चाहिए।

कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने मोहल्ला विकास टीम गठन की प्रक्रिया के बारे में बताया 111 घरों के एक समूह को एक मोहल्ले का नाम दिया गया है। इन 111 घरों की जिम्मेदारी 11 सदस्यों की टीम लेती है। टीम में एक पुरूष/महिला को समन्वयक बनाया जाता है शेष 10 लोगों को पालक बनाया जाता है जिसमें प्रत्येक पालक को 10 परिवारों की जिम्मेदारी दी जाती हैं, इस तरह से 10 पालक मिलकर मोहल्ला के क्रम से बने हुए 100 परिवारों को चिन्हित कर कार्य करते। विचार समिति मार्गदर्शक हीरालाल जैन ने कहा कि अनुभव ही हमें परिपक्क्व बनाता है। अनुभव के आधार पर ही हमें पता चलेगा कि काम कैसे करना है। मार्गदर्शक राजेश सिंघई ने मध्यवर्गीय परिवारों को सामाजिक सेवा में अग्रसर और प्रेरित करने के लिए अपने विचार रखें। समिति मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने चिन्हित मोहल्लों की जानकारी साँझा करते हुए समन्वयक, पालक एवं परिवारों की जानकरी दी। समिति मिडिया प्रभारी अखलेश समैया ने कहा कि चिन्हित मोहल्लों की हर माह कार्यप्रणाली, प्रगति की रिपोर्ट तैयार की जाएगी। बैठक में समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया, कोषाध्यक्ष विनय मलैया, मार्गदर्शक शफीक खान, अनिल अवस्थी, अर्चना रांधेलिया उपस्थित थीं।

हमारा प्रयास है कि प्रत्येक महिला स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिक रूप से सपन्न हो : सुनीता अरिहंत

उद्यमी स्वाति केसरवानी ने अतिथि सत्र में रखे अपने विचार।

महिला स्वरोजगार को बढ़ावा देने एवं स्वरोजगार स्थापित करवाने के उद्देश्य से क्वेस्ट एलायंस एवं विचार समिति के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय अतिथि सत्र बैठक विचार समिति कार्यालय में सम्पन्न हुई। युवा उद्यमी मुख्य अतिथि स्वाति केशरवानी ने पूर्व माह में प्रशिक्षण ले चुकी महिलाओं का परिचय जाना एवं व्यवसाय की जानकारी ली। इसके पश्चात युवा व्यवसायी स्वाति केशरवानी ने अपनी व्यवसायिक यात्रा की कहानी साझा की। उन्होंने कहा कि हमें व्यवसाय चुनने के पूर्व यह आकलन कर लेना चाहिए। हमारे पास ऐसे कौन से संसाधन है, जिनके माध्यम से व्यवसाय किया जा सकता है। व्यवसाय की शुरुआत छोटे रूप से भले हो लेकिन आप निरंतर काम करते रहें तो निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि हमारा प्रयास है प्रत्येक महिला स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिक रूप से संपन्न हो सकें। क्वेस्ट एलायंस स्वरोजगार परियोजना प्रभारी रोशनी सोनी वर्चुअल माध्यम से जुड़ीं।

समिति परियोजना सहयोगी पूजा प्रजापति ने कहा कि सभी महिलाओं को स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाना काफी चुनौती पूर्ण है। यथास्थिति यह कि पूंजीगत समस्या के साथ-साथ महिलाओं को निरतंर जोड़े रखना कठिन है। प्रत्येक माह महिलाओं के व्यवसाय का सर्वे किया जाता है एवं समस्याओं का निराकरण किया जाता है। स्वरोजगार बैठक में ज्योति पटेल, करिश्मा पटेल, अंजू पटेल, नीलू पटेल, अंजलि केशरवानी, नीलू सागर, आदि उपस्थित रही।

बाल दिवस के अवसर पर निलाई प्ले स्कूल मनेशिया के बच्चों ने किया मंगलगिरि पहाड़ी का भ्रमण

मंगलगिरि पहाड़ी पर निताई प्ले स्कूल मनेशिया के बच्चे और शिक्षक।

बाल दिवस के अवसर पर विचार समिति द्वारा संचालित निताई प्ले स्कूल ग्राम मनेशिया के बच्चों ने मंगलगिरि पहाड़ी का भ्रमण किया। बाल दिवस भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू जी की जयंती के रूप में मनाते हैं। मनेसिया स्कूल में बाल दिवस धूमधाम से मनाया गया। विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बच्चों को शुभकामनायें दी। निताई प्ले स्कूल साक्षी दांगी ने बताया कि आज के दिन के लिए बच्चे बहुत उत्साहित थे। रंग-बिरंगी वेष-भूषा में आए बच्चों के मन में जिज्ञासा थी कि हम जल्दी-जल्दी से वहाँ पहुँच जाए जहाँ उनकी शिक्षिकाएँ उन्हें ले जा रही है। बच्चे मंगलगिरि पहाड़ी जाकर उमंग से भर उठे। बच्चों का तिलक पुष्पवर्षा के साथ स्वागत किया गया। उसके बाद, बच्चों की पसंद के अनुसार खाने में ढोकला, मगोड़ी और खजूर चटनी के साथ बच्चों का मगोड़ी स्टॉल से बच्चों का अपना-अपना लेना बहुत अच्छा लगा। विचार समिति की कार्यकारी अध्यक्ष विद्यालय मार्गदर्शक सुनीता अरिहंत ने बच्चों को मिठाई देते हुए बालदिवस की ढेर सारी शुभकामनाएं दी। विद्यालय की शिक्षिकाओं द्वारा बच्चों को नई - विद्यालय की शिक्षिका रागिनी राय एवं खुशबू चढ़ार द्वारा निम्न गतिविधियाँ कराई।

- जैसे - कागज के टुकड़े जमीन पर पड़े है।
- कितने गंदे लगते है, इनको उठाकर डस्टबिन में डालो
- कितना अच्छा लगता है।
- आओ सीखे यारा।
- साल के महीने वारह। हेलो,हेलो, 'हेलो डेज नेम बोलो।

इसके साथ बच्चों ने भी तरह-तरह की गतिविधियाँ करके अपनी प्रतिभा दिखाई। इसके बाद बच्चों को पार्क ले जाया गया जहाँ बच्चों ने झूले एवं चकरी जैसे विभिन्न प्रकार के खेलने वाली चीजों को उठाया और साथ ही बच्चों की मस्ती को यादगार बनाने के लिए बच्चों की गतिविधियों की फोटोग्राफी, शिक्षिकाओं द्वारा बच्चों को गिफ्ट दिए गए।

भ्रमण के पश्चात बच्चों को सकुशल ग्राम मनेसिया के लिए रवाना किया गया।

श्यामलम् लोक सम्मान पर्व में श्रीमती लीलावती देवी शुक्ला स्मृति मानवता सम्मान से विचार समिति को नवाजा गया

समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने स्मृतिचिन्ह ग्रहण किया।

साहित्यिक-सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने वाली श्यामलम् संस्था के नवम् वार्षिक कार्यक्रम 24 नवंबर रवींद्र भवन सागर में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले विशिष्टजनों/ सामाजिक संस्थाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की शुरुआत डॉ जयश्री लुखे द्वारा सरस्वती वंदना से की गई। अतिथि स्वागत कपिल बैसाखिया, आर के तिवारी, रमाकांत शास्त्री ने किया। श्यामलम् अध्यक्ष उमा कान्त मिश्र ने कार्यक्रम का परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय के प्राध्यापक अमर कुमार जैन ने तथा आभार प्रदर्शन श्यामलम् सह सचिव संतोष पाठक ने किया। सम्मान कार्यक्रम की शुरुआत ऋषिकुल संस्कृत विद्यालय गोपालगंज के विद्यार्थियों द्वारा स्वस्तिवाचन से प्रारंभ हुई। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों और विधाओं में उत्कृष्ट कार्य के सूची अनुसार 12 सम्मान क्रमवार अतिथियों द्वारा पुष्पमाला, शाल, श्रीफल, सम्मान निधि, पुस्तकें एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर किये गये। विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने श्यामलम् संस्था द्वारा श्रीमती लीलावती देवी शुक्ला स्मृति मानवता सम्मान से नवाजा गया। श्यामलम् संस्था को धन्यवाद देते हुए सुनीता अरिहंत ने कहा कि समाज को दिशा और मार्गदर्शन साहित्य ही देता है। मुख्य अतिथि डॉ. लता वानखेड़े, सांसद, विशिष्ट अतिथि शैलेन्द्र जैन, विधायक सारस्वत वक्ता गोविन्द देवलिया, वरिष्ठ साहित्यकार, अध्यक्षता डॉ. अनिल तिवारी, संस्थापक कुलपति एसवीएन विश्वविद्यालय, डॉ. सुरेश आचार्य, संरक्षक श्यामलम्, संचालन प्रो. अंजना चतुर्वेदी तिवारी एवं प्रो. अमर कुमार जैन ने किया।

राष्ट्र ऋषि दत्तोपंत ठेंगड़ी के जन्म जयंती पर स्वदेशी स्वावलंबन दिवस का हुआ आयोजन

प्रथम चित्र में मुख्य वक्ता आस्तिक, सफल उद्यमी अनिल कुमार जैन, प्रांत समन्वयक कपिल मलैया, डॉ. सरोज गुप्ता, दूसरे चित्र में प्रांत समन्वयक कपिल मलैया संबोधित करते हुए।

स्वदेशी जागरण मंच स्वावलंबी भारत अभियान जिला सागर महाकौशल प्रांत के द्वारा रविवार को राष्ट्र ऋषि श्रद्धेय दत्तोपंत ठेंगड़ी जी की जन्म जयंती तिलकगंज स्थित मैजेस्टिक प्लाजा में स्वदेशी स्वावलंबन दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर '37 करोड़ स्टार्टअप्स का देश' पुस्तक का विमोचन हुआ। मुख्य अतिथि सफल उद्यमी सचिन आनंद ने बताया कि दत्तोपंत ठेंगड़ी जी का अखिल भारतीय स्तर के विभिन्न संगठनों की स्थापना एवं निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

मुख्य वक्ता आस्तिक जी ने कहा कि दत्तोपंत ठेंगड़ी जी भारत के राष्ट्रवादी ट्रेड यूनियन नेता एवं भारतीय मजदूर संघ, स्वदेशी जागरण मंच, भारतीय किसान संघ के संस्थापक थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे स्वावलंबी भारत अभियान के प्रांत समन्वयक कपिल मलैया ने कहा कि छात्र-छात्राओं को 16-17 वर्ष की आयु से उद्यमिता का अभ्यास शुरू करना चाहिए। पढ़ते हुए कमाना सीखें ताकि स्नातक होने तक सफल उद्यमी बन सकें। उन्होंने बताया कि बड़ा उद्यमी बनने के लिए पढ़ाई पृष्ठभूमि या पैसे की बजाए दृढ़ इच्छाशक्ति, साहस, नया सोचने जैसे आंतरिक गुण ज्यादा आवश्यक हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ. सरोज गुप्ता ने कहा कि स्वदेशी जागरण मंच अच्छा काम कर रहा है और हमारे महाविद्यालय की युवा शक्ति उनके साथ है। स्वदेशी जागरण मंच जिला संयोजक राजकुमार नामदेव ने सभी का आभार व्यक्त किया। करण श्रीवास्तव ने मंच का संचालन किया एवं कार्यक्रम प्रभारी जगदीश जारोलिया थे। कार्यक्रम में सफल उद्यमी अमित चौधरी, शरद पोद्दार, दीक्षा बाधवानी, अनिल कुमार जैन का सम्मान हुआ। इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ, अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भारतीय किसान संघ, अधिवक्ता परिषद, स्वदेशी जागरण मंच, बिजली कर्मचारी महासंघ, सामाजिक समरसता मंच के पदाधिकारी एवं महापौर प्रतिनिधि रिषांक तिवारी, सुनील सागर, अंजली दुबे, सौरभ रांधेलिया, अखिलेश समैया, नितिन सोनी, रविन्द्र ठाकुर, मनु तिवारी, शुभ शर्मा, शिवम दुबे उपस्थित थे।

हथकरघा बुनाई महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए एक अच्छा माध्यम है

राजीवनगर मोहल्ला विकास टीम के परिवारों के साथ कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत एवं पूजा प्रजापति चर्चा करते हुए।

हथकरघा बुनाई महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए एक अच्छा माध्यम है। खासकर भारत में ग्रामीण और आर्थिक रूप पिछड़े समुदायों में। लंबे समय से चली आ रही परंपराएं महिलाओं को न केवल अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने का एक सम्मानजनक अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि उनके समुदायों में उनके समग्र सशक्तिकरण और सामाजिक प्रतिष्ठा में भी योगदान देती हैं। विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत महिलाओं को जानकारी दे रही है कि वे हथकरघा से कपड़ा बनाना सीखें शुरुवात में हथकरघे से जुडी मूलभूत चीजें सीखे जैसे धागा भरना, बीम बनाना, बीम को उतरना सीखे। सुनीता अरिहंत कहती है कि हमारी योजना है कि करघे घर - घर स्थापित किये जाये लेकिन महिलाओं को करघे से सम्बंधित सभी मूलभूत चीजे सीखनी होगी। महिलाओं को सीखने के लिए प्रोफेसनल ट्रेनर विचार हथकरघा केंद्र में है।

मेरा प्रयास है कि सभी जरूरतमंद महिलाएं केंद्र से जुड़े। इस अवसर पर अंजना पटेल, नीतू पटेल, रजनी पटेल, अंजना पटेल, अनीता पटेल, लक्ष्मी पटेल, शोभना पटेल, माया पटेल, नितेश पटेल, माही पटेल, कविता पटेल, निकिता सोनी, सोना, दीप्ती साहू, डोली शुक्ला, अंजलि चौबे, सेजल गर्ग, नीमा पंथी, सीमा पटेल, गीता पटेल, प्रभा साहू, शीला अहिरवार, किरण अहिरवार, सपना गौंड, वैजन्ती अहिरवार, आरती अहिरवार, उर्मिला अहिरवार, सुनीता, वर्षा, ममता अहिरवार, उजाला अहिरवार, माधवी आदि उपस्थित थी।

डॉ. हरीसिंह गौर को भारत रत्न दिलाने 6.5 किलोमीटर पुष्पमाला में विचार समिति शामिल हुई

राधा तिराहे पर समिति ने 6.5 किलोमीटर पुष्पमाला यात्रा का स्वागत किया।

डॉ. सर हरिसिंह गौर की 155वीं जयंती के शुभ अवसर पर सर हरिसिंह गौर को भारत रत्न दिलाने हेतु तीन बत्ती गौर मूर्ति प्रतिमा से विश्वविद्यालय तक लगभग 6.5 किलोमीटर पुष्प माला पहनाई गयी। दैनिक भास्कर के तत्वावधान में 25 नवंबर 2024 सोमवार सुबह 7:00 बजे कार्यक्रम में विचार समिति के पदाधिकारी, मार्गदर्शक मंडल के सदस्य, सहायक, समन्वयक, पालक एवं मोहल्ला परिवारों के सदस्यगण के साथ उपस्थित होकर, कार्यक्रम को सफल बनाने में सहभगिता दी। डॉ. हरिसिंह गौर को भारत रत्न दिलाने के लिए पूरा शहर सड़क पर आ गया था। विचार समिति ने राधा तेरहा पर पुष्पमाला का स्वागत किया। विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कि डॉक्टर गौर सागर शहर की अमूल्य धरोहर है उन्होंने सागर के क्षेत्र के लिए शिक्षा का जो द्वारा खोला है, वह अनुपम और अद्वितीय है।

इस अवसर पर सूरज सोनी ने कहा कि बुंदेलखंड की एक छोटी सी जगह में जन्मे डॉ. हरिसिंह गौर ने अपने जीवन की संपूर्ण पूंजी दान कर शिक्षा के लिए मध्य प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय स्थापित किया था। देश में इस तरह का दूसरा बिरला उदाहरण देखने को नहीं मिलता है। इस अवसर पर समिति मार्गदर्शक श्रीयांस जैन, डी. के. जैन संदीप अग्रवाल, चम्पक भाई, विनीता केसरवानी, अर्चना रांधेलिया, पूनम मेवाती, रश्मि केसरवानी, अनीता जैन, सरिता गुरु, नीलू सागर, ममता अहिरवार, ज्योति रैकवार, उमा पटेल, भाग्यश्री राय, पूजा प्रजापति, राहुल अहिरवार, अरविन्द अहिरवार, सोनू नामदेव, ऊषा केसरवानी, राजेश गौतम, अंशु अहिरवार, तमन्ना अहिरवार साथ समिति परिवारों के सदस्य ने बड़े उत्साह से स्वागत किया।

स्वदेशी मेले में मोहल्ला परिवार की महिलाएं बनायेगी मेरा गांव - स्वावलंबी गांव की झलक

दिसंबर माह में आयोजित होने वाले मेले में महिलाये बनाएगी मेरा गांव - स्वावलंबी गांव की झलक।

स्वदेशी मेला का आयोजन 22 दिसंबर 2024 से 1 जनवरी 2025 तक पीटीसी ग्राउंड, पहलवान बाबा मंदिर के पास पुनः आयोजित किया जा रहा है। इस मेले में रियल एस्टेट, हैंडीक्राफ्ट्स, ब्रांड इंडिया, ऑटोमोबाइल, बिजनेस मीट, हैंडलूम, हर्बल प्रोडक्ट्स, इंडियन फूड्स के साथ स्थानीय उत्पादन अपनी सहभागिता करेंगे।

स्वदेशी मेला के सह सयोंजक नितिन पटैरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बार मेले में मेरा गांव - स्वावलंबी गांव की झलक दिखाई देगी। जिसमें बुंदेली संस्कृति के सभी गुण झलकते हुए दिखाई देंगे गांव से जुड़ी हुई जीवन शैली में बैलगाड़ी, घास से बनी झोपड़ी, बुंदेली पई-पकवान, बुंदेली पहनावा, आदि सभी रंग दिखाई देंगे।

सुनीता अरिहंत ने महिलाओं से स्वदेशी मेले में लगने वाले गांव में विभिन्न भूमिकाओं के लिए महिलाओं से बात की उन्होंने कहा कि ग्रामीण जीवन बनने वाले पकवानों, साज-सज्जा की सामग्री, वस्त्रो आदि को प्रदर्शित करते हुए मेले में अपनी दुकान सजायें। कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि स्वदेशी मेला हमारे भारत देश को आर्थिक रूप से मजबूत बनाता है। स्वदेशी मेला के माध्यम से अपने देश में बने चीजों को खरीदने के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया जा रहा है। हमें इस बात का ज्ञान होना चाहिए कि हमारे पास कौन सी स्वदेशी वस्तुएं उपलब्ध है।

हमें ऑनलाइन खरीदी करते समय इन बातों का ध्यान रखना चाहिए कि उपयोग करने वाली वस्तुएं स्वदेशी हो। स्वदेशी मेले का मुख्य उद्देश्य स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना तथा लोगों तक स्वदेशी उत्पादों के प्रति जागरूकता पैदा करना है।स्वदेशी वस्तुएं आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन का भाव पैदा करता है। नीलू सागर, लता शर्मा, रेखा शर्मा, द्रोपती पटेल, रचना पटेल, यशोदा मेहरा, आशा मेहरा, रेखा पटेल, सरिता पटेल, ज्योति पटेल, आदि महिलाओं से मेरा गांव - स्वदेशी गांव को तैयार करवाने में भूमिका निभाएगी .

मीडिया कवरेज

राष्ट्र ऋषि दंत्तोपंत ठेंगड़ी के जन्म जयंती पर स्वदेशी स्वावलंबन दिवस का हुआ आयोजन

दबंग बुन्देलखण्ड
राजेश पाराशर

सागर। स्वदेशी जागरण मंच स्वावलंबी भारत अभियान जिला सागर महाकौशल प्रांत के द्वारा रविवार को राष्ट्र ऋषि श्रद्धेय दत्तोपंत ठेंगड़ी जी की जन्म जयंती तिलकगंज स्थित मैजेस्टिक प्लाजा में स्वदेशी स्वावलंबन दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर 37 करोड़ स्टार्टअप्स का देश पुस्तक का विमोचन हुआ। मुख्य अतिथि सफल उद्यमी सचिन आनंद ने बताया कि दत्तोपंत ठेंगड़ी जी का अखिल भारतीय स्तर के विभिन्न संगठनों की स्थापना एवं निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मुख्य वक्ता आस्तिक जी ने कहा कि दत्तोपंत ठेंगड़ी जी भारत के राष्ट्रवादी ट्रेड यूनियन नेता एवं भारतीय मजदूर संघ, स्वदेशी जागरण मंच, भारतीय किसान संघ के संस्थापक थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे स्वावलंबी भारत अभियान के प्रांत समन्वयक कपिल मलैया ने कहा कि छात्र-छात्राओं को 16-17 वर्ष की आयु से उद्यमिता का अभ्यास शुरू करना चाहिए। पढ़ते हुए कमाना सीखें ताकि स्नातक होने तक सफल उद्यमी बन सकें। उन्होंने बताया कि बड़ा उद्यमी बनने के लिए पढ़ाई, पृष्ठभूमि या पैसे की बजाए दृढ़ इच्छाशक्ति, साहस, नया सोचने जैसे आंतरिक गुण ज्यादा आवश्यक हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ. सरोज गुप्ता ने कहा कि स्वदेशी जागरण मंच अच्छा काम कर रहा है और हमारे महाविद्यालय की युवा शक्ति उनके साथ है। हमारे यहां भी उद्यमिता विकास पाठ्यक्रम है। स्वदेशी जागरण मंच जिला संयोजक राजकुमार नामदेव ने सभी का आभार व्यक्त किया। करण श्रीवास्तव ने मंच का संचालन किया एवं कार्यक्रम प्रभारी जगदीश जारोलिया थे। कार्यक्रम में सफल उद्यमी अमित चौधरी, शरद पोद्दार, दीक्षा बाधवानी, अनिल कुमार जैन का सम्मान हुआ। इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ, अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भारतीय किसान संघ, अधिवक्ता परिषद, स्वदेशी जागरण मंच, बिजली कर्मचारी महासंघ, सामाजिक समरसता मंच के पदाधिकारी एवं महापौर प्रतिनिधि रिषांक तिवारी, सुनील सागर, अंजली दुबे, सौरभ रांधेलिया, अखिलेश समैया, नितिन सोनी, रविन्द्र ठाकुर, मनु तिवारी, शुभ शर्मा, शिवम दुबे आदि उपस्थित थे।

स्वदेशी स्वावलंबन दिवस पर हुआ पुस्तक का विमोचन

सागर। स्वदेशी जागरण मंच स्वावलंबी भारत अभियान जिला सागर महाकौशल प्रांत के द्वारा रविवार को दत्तोपंत ठेंगड़ी की जयंती तिलकगंज में स्वदेशी स्वावलंबन दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर 37 करोड़ स्टार्टअप का देश पुस्तक का विमोचन हुआ। मुख्य अतिथि सचिन आनंद ने बताया कि दत्तोपंत की अखिल भारतीय स्तर के विभिन्न संगठनों की स्थापना एवं निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मुख्य वक्ता आस्तिक ने कहा कि दत्तोपंत भारत के राष्ट्रवादी ट्रेड यूनियन नेता एवं भारतीय मजदूर संघ, स्वदेशी जागरण मंच, भारतीय किसान संघ के संस्थापक थे। विशिष्ट अतिथि डॉ. सरोज गुप्ता ने कहा कि स्वदेशी जागरण मंच अच्छा काम कर रहा है और हमारे महाविद्यालय की युवा शक्ति उनके साथ है। राजकुमार नामदेव ने आभार व्यक्त किया। करण श्रीवास्तव ने संचालन किया। कार्यक्रम प्रभारी जगदीश जारोलिया, अमित चौधरी, शरद पोद्दार, दीक्षा बाधवानी, अनिल कुमार जैन का सम्मान हुआ।

राष्ट्र ऋषि दंत्तोपंत ठेंगड़ी के जन्म जयंती पर स्वदेशी स्वावलंबन दिवस का हुआ आयोजन

सागर, देशबन्धु। स्वदेशी जागरण मंच स्वावलंबी भारत अभियान जिला सागर महाकौशल प्रांत के द्वारा रविवार को राष्ट्र ऋषि दत्तोपंत ठेंगड़ी की जन्म जयंती तिलकगंज स्थित मैजेस्टिक प्लाजा में स्वदेशी स्वावलंबन दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर 37 करोड़ स्टार्टअप्स का देश पुस्तक का विमोचन हुआ। मुख्य अतिथि सफल उद्यमी सचिन आनंद ने बताया कि दत्तोपंत ठेंगड़ी का अखिल भारतीय स्तर के विभिन्न संगठनों की स्थापना एवं निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मुख्य वक्ता आस्तिक ने कहा कि दत्तोपंत ठेंगड़ी जी भारत के राष्ट्रवादी ट्रेड यूनियन नेता एवं भारतीय मजदूर संघ, स्वदेशी जागरण मंच, भारतीय किसान संघ के संस्थापक थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे स्वावलंबी भारत अभियान के प्रांत समन्वयक कपिल मलैया ने कहा कि छात्र-छात्राओं को 16-17 वर्ष की आयु से उद्यमिता का अभ्यास शुरू करना चाहिये। पढ़ते हुये कमाना सीखें ताकि स्नातक होने तक सफल उद्यमी बन सकें। बड़ा उद्यमी बनने के लिये पढ़ाई, पृष्ठभूमि या पैसे की बजा, दृढ़ इच्छाशक्ति, साहस, नया सोचने जैसे आंतरिक गुण ज्यादा आवश्यक हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ. सरोज गुप्ता ने कहा कि स्वदेशी जागरण मंच अच्छा काम कर रहा है और हमारे महाविद्यालय की युवा शक्ति उनके साथ है। हमारे यहां भी उद्यमिता विकास पाठ्यक्रम है। स्वदेशी जागरण मंच जिला संयोजक राजकुमार नामदेव ने सभी का आभार व्यक्त किया। करण श्रीवास्तव ने मंच संचालन किया एवं कार्यक्रम प्रभारी जगदीश जारोलिया थे। कार्यक्रम में सफल उद्यमी अमित चौधरी, शरद पोद्दार, दीक्षा बाधवानी, अनिल कुमार जैन का सम्मान हुआ।

'37 करोड़ स्टार्टअप का देश' पुस्तक का हुआ विमोचन

सागर @ पत्रिका. स्वदेशी जागरण मंच स्वावलंबी भारत अभियान जिला सागर महाकौशल प्रांत ने राष्ट्र ऋषि दत्तोपंत ठेंगड़ी की जन्म जयंती तिलकगंज स्थित होटल में स्वदेशी स्वावलंबन दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर 37 करोड़ स्टार्टअप का देश पुस्तक का विमोचन हुआ। मुख्य अतिथि सफल उद्यमी सचिन आनंद ने बताया कि दत्तोपंत ठेंगड़ी की अखिल भारतीय स्तर के विभिन्न संगठनों की स्थापना एवं निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मुख्य वक्ता आस्तिक ने कहा कि दत्तोपंत ठेंगड़ी भारत के राष्ट्रवादी ट्रेड यूनियन नेता एवं भारतीय मजदूर संघ, स्वदेशी जागरण मंच, भारतीय किसान संघ के संस्थापक थे। अध्यक्षता कर रहे प्रांत समन्वयक कपिल मलैया ने कहा कि छात्र-छात्राओं को 16-17 वर्ष की आयु से उद्यमिता का अभ्यास शुरू करना चाहिए। उन्होंने बताया कि बड़ा उद्यमी बनने के लिए पढ़ाई, पृष्ठभूमि या पैसे की बजाए दृढ़ इच्छाशक्ति, साहस, नया सोचने जैसे आंतरिक गुण ज्यादा आवश्यक हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ. सरोज गुप्ता ने कहा कि स्वदेशी जागरण मंच अच्छा काम कर रहा है और हमारे महाविद्यालय की युवा शक्ति उनके साथ है। हमारे यहां भी उद्यमिता विकास पाठ्यक्रम है। जिला संयोजक राजकुमार नामदेव ने आभार व्यक्त किया। करण श्रीवास्तव ने मंच का संचालन किया। कार्यक्रम प्रभारी जगदीश जारोलिया थे। इस अवसर पर उद्यमी अमित चौधरी, शरद पोद्दार, दीक्षा बाधवानी, अनिल कुमार जैन का सम्मान हुआ।

राष्ट्र ऋषि दंत्तोपंत ठेंगड़ी के जन्म जयंती पर स्वदेशी स्वावलंबन दिवस का हुआ आयोजन

जनचिंगारी-9302303212

सागर। स्वदेशी जागरण मंच स्वावलंबी भारत अभियान जिला सागर महाकौशल प्रांत के द्वारा रविवार को राष्ट्र ऋषि श्रद्धेय दत्तोपंत ठेंगड़ी जी की जन्म जयंती तिलकगंज स्थित मैजेस्टिक प्लाजा में स्वदेशी स्वावलंबन दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर '37 करोड़ स्टार्टअप्स का देश' पुस्तक का विमोचन हुआ। मुख्य अतिथि सफल उद्यमी सचिन आनंद ने बताया कि दत्तोपंत ठेंगड़ी जी का अखिल भारतीय स्तर के विभिन्न संगठनों की स्थापना एवं निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

मुख्य वक्ता आस्तिक जी ने कहा कि दत्तोपंत ठेंगड़ी जी भारत के राष्ट्रवादी ट्रेड यूनियन नेता एवं भारतीय मजदूर संघ, स्वदेशी जागरण मंच, भारतीय किसान संघ के संस्थापक थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे स्वावलंबी भारत अभियान के प्रांत समन्वयक कपिल मलैया ने कहा कि छात्र-छात्राओं को 16-17 वर्ष की आयु से उद्यमिता का अभ्यास शुरू करना चाहिए। पढ़ते हुए कमाना सीखें ताकि स्नातक होने तक सफल उद्यमी बन सकें। उन्होंने बताया कि बड़ा उद्यमी बनने के लिए पढ़ाई, पृष्ठभूमि या पैसे की बजाए दृढ़ इच्छाशक्ति, साहस, नया सोचने जैसे आंतरिक गुण ज्यादा आवश्यक हैं।

विशिष्ट अतिथि डॉ. सरोज गुप्ता ने कहा कि स्वदेशी जागरण मंच अच्छा काम कर रहा है और हमारे महाविद्यालय की युवा शक्ति उनके साथ है। हमारे यहां भी उद्यमिता विकास पाठ्यक्रम है। स्वदेशी जागरण मंच जिला संयोजक राजकुमार नामदेव ने सभी का आभार व्यक्त किया। करण श्रीवास्तव ने मंच का संचालन किया एवं कार्यक्रम प्रभारी जगदीश जारोलिया थे। कार्यक्रम में सफल उद्यमी अमित चौधरी, शरद पोद्दार, दीक्षा बाधवानी, अनिल कुमार जैन का सम्मान हुआ।

इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ, अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भारतीय किसान संघ, अधिवक्ता परिषद, स्वदेशी जागरण मंच, बिजली कर्मचारी महासंघ, सामाजिक समरसता मंच के पदाधिकारी एवं महापौर प्रतिनिधि रिषांक तिवारी, सुनील सागर, अंजली दुबे, सौरभ रांधेलिया, अखिलेश समैया, नितिन सोनी, रविन्द्र ठाकुर, मनु तिवारी, शुभ शर्मा, शिवम दुबे आदि उपस्थित थे।

हमारा प्रयास है कि प्रत्येक महिला स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिक रूप से सपन्न हो: सुनीता अरिहंत

सागर, देशबन्धु। महिला स्वरोजगार को बढ़ावा देने एवं स्वरोजगार स्थापित करवाने के उद्देश्य से क्रेस्ट एलायंस एवं विचार समिति के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय अतिथि सत्र बैठक विचार समिति कार्यालय में संपन्न हुई। युवा उद्यमी मुख्य अतिथि स्वाति केशरवानी ने पूर्व माह में प्रशिक्षण ले चुकी महिलाओं का परिचय जाना एवं व्यवसाय की जानकारी ली। इसके पश्चात स्वाति केशरवानी ने अपनी व्यावसायिक यात्रा की कहानी साझा की। उन्होंने कहा कि हमें व्यवसाय चुनने के पूर्व यह आंकलन कर लेना चाहिये। हमारे पास ऐसे कौन से संसाधन है, जिनके माध्यम से व्यवसाय किया जा सकता है। व्यवसाय की शुरूआत छोटे रूप से भले हो लेकिन आप निरंतर काम करते रहें तो निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि हमारा प्रयास है प्रत्येक महिला स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिक रूप से संपन्न हो सके। क्रेस्ट एलायंस स्वरोजगार परियोजना प्रभारी रोशनी सोनी वर्चुअल माध्यम से जुड़ीं। समिति परियोजना सहयोगी पूजा प्रजापति ने कहा कि सभी महिलाओं को स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाना काफी चुनौती पूर्ण है। यथास्थिति यह कि पूंजीगत समस्या के साथ-साथ महिलाओं को निरंतर जोड़े रखना कठिन है। स्वरोजगार बैठक में ज्योति पटेल, करिश्मा पटेल, अंजू पटेल, नीलू पटेल, अंजलि केशरवानी, नीलू सागर आदि उपस्थित रहीं।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर 28-11-2024

हमारा प्रयास है कि प्रत्येक महिला स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिक रूप से मजबूत हो : सुनीता अरिहंत

सागर। महिला स्वरोजगार को बढ़ावा देने एवं स्वरोजगार स्थापित करवाने के उद्देश्य से क्वेस्ट एलायंस एवं विचार समिति के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय अतिथि सत्र बैठक विचार समिति कार्यालय में हुई। युवा उद्यमी मुख्य अतिथि स्वाति केशरवानी ने पूर्व माह में प्रशिक्षण ले चुकी महिलाओं का परिचय जाना एवं व्यवसाय की जानकारी ली। इसके बाद युवा व्यवसायी स्वाति केशरवानी ने अपनी व्यवसायिक यात्रा की कहानी साझा की। उन्होंने कहा कि हमें व्यवसाय चुनने के पूर्व यह आकलन कर लेना चाहिए। हमारे पास ऐसे कौन से संसाधन है, जिनके माध्यम से व्यवसाय किया जा सकता है। व्यवसाय की शुरुआत छोटे रूप से भले हो लेकिन आप निरंतर काम करते रहें तो निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि हमारा प्रयास है प्रत्येक महिला स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिक रूप से संपन्न हो सकें। क्वेस्ट एलायंस स्वरोजगार परियोजना प्रभारी रोशनी सोनी वर्चुअल माध्यम से जुड़ीं। समिति परियोजना सहयोगी पूजा प्रजापति ने कहा कि सभी महिलाओं को स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाना काफी चुनौती पूर्ण है। यथास्थिति यह कि पूंजीगत समस्या के साथ-साथ महिलाओं को निरंतर जोड़े रखना कठिन है। स्वरोजगार बैठक में ज्योति पटेल, करिश्मा पटेल, अंजू पटेल, नीलू पटेल, अंजलि केशरवानी, नीलू सागर आदि उपस्थित रहीं।

हमारा प्रयास है कि प्रत्येक महिला स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिक रूप से सपन्न हो - सुनीता अरिहंत

क्रेस्ट एलायंस एवं विचार समिति के संयुक्त तत्वावधान में बैठक आयोजित

जनसंपर्क- 9302303212

सागर। महिला स्वरोजगार को बढ़ावा देने एवं स्वरोजगार स्थापित करवाने के उद्देश्य से क्रेस्ट एलायंस एवं विचार समिति के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय अतिथि सत्र बैठक विचार समिति कार्यालय में सम्पन्न हुई। युवा उद्यमी मुख्य अतिथि स्वाति केशरवानी ने पूर्व माह में प्रशिक्षण ले चुकी महिलाओं का परिचय जाना एवं व्यवसाय की जानकारी ली। इसके पश्चात युवा व्यवसायी स्वाति केशरवानी ने अपनी व्यवसायिक यात्रा की कहानी साझा की। उन्होंने कहा कि हमें व्यवसाय चुनने के पूर्व यह आकलन कर लेना चाहिए। हमारे पास ऐसे कौन से संसाधन है, जिनके माध्यम से व्यवसाय किया जा सकता है। व्यवसाय की शुरुआत छोटे रूप से भले हो लेकिन आप निरंतर काम करते रहें तो निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि हमारा प्रयास है प्रत्येक महिला स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिक रूप से संपन्न हो सकें। क्रेस्ट एलायंस स्वरोजगार परियोजना प्रभारी रोशनी सोनी वर्चुअल माध्यम से जुड़ी। समिति परियोजना सहयोगी पूजा प्रजापति ने कहा कि सभी महिलाओं को स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाना काफी चुनौती पूर्ण है। यथास्थिति यह कि पूंजीगत समस्या के साथ-साथ महिलाओं को निरंतर जोड़े रखना कठिन है।

दैनिक दबंग बुन्देलखण्ड सागर

हमारा प्रयास है कि प्रत्येक महिला स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिक रूप से सपन्न हो- सुनीता अरिहंत

■ क्वेस्ट एलायंस एवं विचार समिति के संयुक्त तत्वावधान में बैठक आयोजित

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। महिला स्वरोजगार को बढ़ावा देने एवं स्वरोजगार स्थापित करवाने के उद्देश्य से क्वेस्ट एलायंस एवं विचार समिति के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय अतिथि सत्र बैठक विचार समिति कार्यालय में सम्पन्न हुई। युवा उद्यमी मुख्य अतिथि स्वाति केशरवानी ने पूर्व माह में प्रशिक्षण ले चुकी महिलाओं का परिचय जाना एवं व्यवसाय की जानकारी ली। इसके पश्चात युवा व्यवसायी स्वाति केशरवानी ने अपनी व्यवसायिक यात्रा की कहानी साझा की। उन्होंने कहा कि हमें व्यवसाय चुनने के पूर्व यह आकलन कर लेना चाहिए। हमारे पास ऐसे कौन से संसाधन है, जिनके माध्यम से व्यवसाय किया जा सकता है। व्यवसाय की शुरूआत छोटे रूप से भले हो लेकिन आप निरंतर काम करते रहें तो निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि हमारा प्रयास है प्रत्येक महिला स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिक रूप से संपन्न हो सकें। क्वेस्ट एलायंस स्वरोजगार परियोजना प्रभारी रोशनी सोनी वर्चुअल माध्यम से जुड़ीं। समिति परियोजना सहयोगी पूजा प्रजापति ने कहा कि सभी महिलाओं को स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाना काफी चुनौती पूर्ण है। यथास्थिति यह कि पूंजीगत समस्या के साथ-साथ महिलाओं को निरंतर जोड़े रखना कठिन है। स्वरोजगार बैठक में ज्योति पटेल, करिश्मा पटेल, अंजू पटेल, नीलू पटेल, अंजलि केशरवानी, नीलू सागर आदि उपस्थित रहीं।

हरिभूमि

epaper.haribhoomi.com
Bhopal Sagar Bhoomi - 29 Nov 2024 - Page 1

हमारा प्रयास है कि प्रत्येक महिला स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिक रूप से संपन्न हो: सुनीता

क्वेस्ट एलायंस एवं विचार समिति के संयुक्त तत्वावधान में बैठक की गई आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

महिला स्वरोजगार को बढ़ावा देने एवं स्वरोजगार स्थापित करवाने के उद्देश्य से क्वेस्ट एलायंस एवं विचार समिति के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय अतिथि सत्र बैठक विचार समिति कार्यालय में सम्पन्न हुई। युवा उद्यमी मुख्य अतिथि स्वाति केशरवानी ने पूर्व माह में प्रशिक्षण ले चुकी महिलाओं का परिचय जाना एवं व्यवसाय की जानकारी ली।

इसमें युवा व्यवसायी स्वाति केशरवानी ने अपनी व्यवसायिक यात्रा की कहानी साझा की। उन्होंने कहा कि हमें व्यवसाय चुनने के पूर्व यह आकलन कर लेना चाहिए। हमारे पास ऐसे कौन से संसाधन है, जिनके माध्यम से व्यवसाय किया जा सकता है। व्यवसाय की शुरुआत छोटे रूप से भले हो लेकिन आप निरंतर काम करते रहें तो निश्चित रूप से सफलता मिलेगी।विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि हमारा प्रयास है प्रत्येक महिला स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिक रूप से संपन्न हो सकें।

क्वेस्ट एलायंस स्वरोजगार परियोजना प्रभारी रोशनी सोनी वर्चुअल माध्यम से जुड़ीं। समिति परियोजना सहयोगी पूजा प्रजापति ने कहा कि सभी महिलाओं को स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाना काफी चुनौती पूर्ण है। यथास्थिति यह कि पूंजीगत समस्या के साथ-साथ महिलाओं को निरंतर जोड़े रखना कठिन है। स्वरोजगार बैठक में ज्योति पटेल, करिश्मा पटेल, अंजू पटेल, नीलू पटेल, अंजलि केशरवानी, नीलू सागर आदि उपस्थित रहीं।

हमारा प्रयास है कि प्रत्येक महिला स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिक रूप से सपन्न हो : सुनीता अरिहंत

अतुल्य भास्कर, सागर. महिला स्वरोजगार को बढ़ावा देने एवं स्वरोजगार स्थापित करवाने के उद्देश्य से क्वेस्ट एलायंस एवं विचार समिति के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय अतिथि सत्र बैठक विचार समिति कार्यालय में सम्पन्न हुई। युवा उद्यमी मुख्य अतिथि स्वाति केशरवानी ने पूर्व माह में प्रशिक्षण ले चुकी महिलाओं का परिचय जाना एवं व्यवसाय की जानकारी ली। इसके पश्चात युवा व्यवसायी स्वाति केशरवानी ने अपनी व्यवसायिक यात्रा की कहानी साझा की। उन्होंने कहा कि हमें व्यवसाय चुनने के पूर्व यह आकलन कर लेना चाहिए। हमारे पास ऐसे कौन से संसाधन है, जिनके माध्यम से व्यवसाय किया जा सकता है। व्यवसाय की शुरुआत छोटे रूप से भले हो लेकिन आप निरंतर काम करते रहें तो निश्चित रूप से सफलता मिलेगी।विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि हमारा प्रयास है प्रत्येक महिला स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिक रूप से संपन्न हो सकें। क्वेस्ट एलायंस स्वरोजगार परियोजना प्रभारी रोशनी सोनी वर्चुअल माध्यम से जुड़ीं। समिति परियोजना सहयोगी पूजा प्रजापति ने कहा कि सभी महिलाओं को स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाना काफी चुनौती पूर्ण है। यथास्थिति यह कि पूंजीगत समस्या के साथ-साथ महिलाओं को निरंतर जोड़े रखना कठिन है। स्वरोजगार बैठक में ज्योति पटेल, करिश्मा पटेल, अंजू पटेल, नीलू पटेल, अंजलि केशरवानी, नीलू सागर आदि उपस्थित रही।

सागर जिला — नवभारत 7

महिला स्वरोजगार से जुड़कर स्वावलंबी बनें

सागर. महिला स्वरोजगार को बढ़ावा देने एवं स्वरोजगार स्थापित करवाने के उद्देश्य से क्रेस्ट एलायंस एवं विचार समिति के संयुक्त तत्वावधान में बैठक सम्पन्न हुई . युवा उद्यमी मुख्य अतिथि स्वाति केशरवानी ने पूर्व माह में प्रशिक्षण ले चुकी महिलाओं का परिचय जाना एवं व्यवसाय की जानकारी ली . विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि प्रत्येक महिला स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिक रूप से संपन्न हो सकें इस दौरान रोशनी सोनी, पूजा प्रजापति, ज्योति पटेल, करिश्मा पटेल, अंजू पटेल, नीलू पटेल, अंजलि केशरवानी, नीलू सागर आदि उपस्थित रहे .

हमारे सहयोगी

O.P. Jindal Global University
A Private University Promoting Public Service

TISS
Tata Institute Of Social Sciences

UPES
UNIVERSITY OF THE FUTURE

ATMA
AN ACCELERATOR FOR EDUCATION

QUEST ALLIANCE

Goodera

ConnectAID
The International Solidarity Network

learning initiatives for india

meraadhikar
one nation. one platform

Lyvefresh®

TechPose

BENNETT UNIVERSITY
TIMES OF INDIA GROUP

ACADEMIA FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT

POLICY RESEARCH FOUNDATION
PRF

NCD NAVJIVAN CENTER FOR DEVELOPMENT
We Design Your Growth Story

danamojo
experience the magic of giving

IIMT
GROUP OF COLLEGES
Greater Noida • Meerut
— Aim For Excellence —

Dr. H.S. Gour University
Sagar [M.P.]

THE ART OF LIVING

Rotary
Club of Sagar

STEP-AHEAD
Fellowship Preparation–Support
MGNF, Gandhi Fellow, Urjaan Fellow, SBI Youth, TFI etc.

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT
ROHTAK

भारत विकास परिषद
Bharat Vikas Parishad
Sagar [M.P.]

ISRN

Edu-Vitae
Services
JOIN! LEARN! ACHIEVE!

India is us!
I2u Social Foundation

संजीवनी बाल आश्रम

For HER Foundation
Hygiene | Empowerment | Respect

विचार समिति
(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्र में दान देकर इस मुहिम को आगे बढाने में सहयोग करें ।
दान राशि बैंक खाते में डालने हेतू जानकारी इस प्रकार है ।

Bank - State Bank of India
Bank A/c Name - Vichar Samiti
Account No. - 37941791894
IFSC Code - SBIN0000475

Paytm/Phonepe/Googlepay आदि से दान करने के लिए QR कोड को स्कैन करे ।

-: संपर्क :-

+91 95757 37475
linkedin.com/in/vichar-samiti
samiti.vichar@gmail.com
www.vicharsamiti.in
Sagar, Madhya Pradesh India

संपादक - आकांक्षा मलैया, प्रबंधक व प्रकाशक - विचार समिति, स्वामित्व - विचार समिति, 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा.लि. के पीछे, सागर (म.प्र.), पिन-470002
मुद्रण - तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट, पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली, रामपुरा वार्ड, सागर